VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (4513)

निर्धारित समय: **तीन घंटे**
Time Allowed: ***Three Hours***

अधिकतम अंक: **250**
Maximum Marks: ***250***

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 62+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 62+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 01158734

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Simrandeep Kaur

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

English

तारीख
Date

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)
GENERAL STUDIES (Paper IV)

केंद्र
Centre
Chandigarh.

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

VISIONIAS

	महत्वपूर्ण अनुदेश	Important Instructions
	उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।	**Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/ धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)	

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1(a)			**6 (a)**		
1(b)			**6 (b)**		
2(a)			**7**		
2(b)			**8**		
3(a)			**9**		
3(b)			**10**		
3(c)			**11**		
4(a)			**12**		
4(b)					
5(a)					
5(b)					
उप-योग (A) Subtotal (A)			**उप-योग (B) Subtotal (B)**		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					

VISION IAS

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (4513)

निर्धारित समय: **तीन** घंटे Time Allowed: **Three** Hours	अधिकतम अंक: **250** Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बारह** प्रश्न हैं जो दो **खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिंदी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं।*

***सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

*There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH.***

***All** questions are compulsory.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. **Contextual Competence**
2. **Content Competence**
3. **Language Competence**
4. **Introduction Competence**
5. **Structure - Presentation Competence**
6. **Conclusion Competence**

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS

1. (a) करुणा, दूसरे के दुःख को अपना दुःख मानकर उसे महसूस करने तथा उस संबंध में कार्रवाई करने का साहसी विकल्प है, तब भी जब मौन रहना अधिक सुरक्षित हो और उदासीनता दिखाना अधिक सहज हो। भारत में सिविल सेवकों के लिए एक आवश्यक नैतिक मूल्य के रूप में करुणा के महत्त्व का परीक्षण कीजिए। उपयुक्त उदाहरणों के साथ अपने उत्तर को स्पष्ट कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Compassion is the courageous choice to feel another's suffering as one's own, and to act upon it, even when silence is safer and indifference is easier. Examine the significance of compassion as an essential ethical value for civil servants in India. Illustrate your answer with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Compassion in civil servants is a desirable value for democratic and public-spirited governance.

Significance of Compassion for civil servants

1. To uphold Public Interest :-
   eg. IAS Muralidhar Bhagwat rescued Trafficked kumars as his devotion to duty.

2. When laws are silent :-
   eg. IPS Tejaswi Satpute's soft policing against Illegal hooch → rehabilitation + deterrence.

3. Constitutional Morality over social barriers
   eg. Rajasthan's flood aid given not on caste basis.

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4. Empowering Vulnerables

e.g. Ops. Sulaimani of Prashant Nair.

5. Core - Peripheral discernments

e.g. Winning hearts and minds strategy in Jammu & Kashmir → core issue development

6. Innovative and Public-spirited

e.g. IAS Ramkumar introduced Smart Village concept in Meghalaya.

Pros ~~Ways~~ to Inculcate Compassion
→ Public Trust enhancement
→ Ethical governance
→ Rule of law
→ Internal ~~used~~ cure for corruption Malady

Compassion ~~is the~~ encourages civil servants to lead & initiate even when no one is applauding or path ahead is dangerous.

VisionIAS

1. (b) भारत में विवाह पारंपरिक संस्कारों से हटकर अधिक स्वायत्त संबंधों की ओर अग्रसर हो रहे हैं, जो लिव-इन रिलेशनशिप की बढ़ती प्रवृति और बढ़ती तलाक दरों से परिलक्षित होता है। इन परिवर्तनों के नैतिक आयामों पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Marriages in India are transitioning from traditional sacramental unions to more autonomous relationships, reflected in live-in relationships and rising divorce rates. Discuss the ethical dimensions of these changes. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Marriage is age old social institution of India, mostly religiously sanctioned. But today, there is emergence of changes like live-in, sologamy, divorce rates.

Ethical dimensions of these changes

(A.) Ethically righteous

1. Increasing dignity of the women → choosing her own groom; rather than forced marriages.

2. Rising Autonomy and self-sufficiency → moving away from nepotism

3. Shared responsibilities :- Both couples earning, and chores doing

4. Rising Awareness of human rights :- Domestic Violence reduction

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(B.) Ethically challenging

1. Shallow People Pleasing through demonstration of consumptions wedding on social media

2. Commodification of age old rituals → reducing moral minimalism

3. Erosion of values such as loyalty and trust in divorce-rates.

4. Declining social accountability in live-in-relationships.

5. Risk of endangering human dignity of women → sexual assaults.

Thus, ethically the institution of marriage is evolving with both opportunities and challenges. There is need of ethical dialecticism to prevent moral erosion.

VisionIAS

2. (a) यद्यपि जवाबदेही के लिए प्रायः प्रलेखन आवश्यक होता है, लेकिन नौकरशाही प्रक्रियाओं और अत्यधिक कागजी कार्रवाई पर अधिक बल देने से अनजाने में उन आवाजों को दबाया जा सकता है जिन्हें लोक नीति, विशेष रूप से जमीनी स्तर पर, सशक्त करना चाहती है। उपयुक्त उदाहरणों के साथ उपर्युक्त कथन का परीक्षण कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

While accountability often necessitates documentation, an overemphasis on bureaucratic procedures and excessive paperwork can inadvertently silence the very voices that public policy intends to empower, particularly at the grassroots. Examine the above statement with suitable illustrations. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Accountability of Public servants is sina qua non for ethical & transparent governance.

Accountability :- Documentation silencing voices of public

1. Procedural complexities in Rule of law
   e.g. Jharkhand PDS beneficiary death due to biometric inauthentication

2. Rule bound bureaucracy :-
   eg rigid disaster aid without tailored approach to the most vulnerable.

3. Stifles innovation & creativity
   eg Manipur crisis handling with ethical committees

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4. Rigid interpretation of documentation
(eg) Confidentiality in ~~Public~~ National security.

5. Barrier to illiterate & disabled :-
Vernacular disability, age old disability.

6. Digital divides on e-paperwork :-
eg. 45% of Rurals without Internet Penetration (UDISE+).

Balancing Accountability and ~~Ru~~ Procedures

1. Positive Interpretation of Rules for Public Service
Eg. IAS Armstrong Pame built Manipur road with crowdsource funding.

2. Reasonable empathy with due diligence
Eg. sensitive policing of IPS Meera Borwankar in Jalgaon sex scandal.

Accountability through RTI and Citizen Charter is not burden on people but it is the responsibility of bureaucracy to open the doors of good governance to all.

VisionIAS

2. (b) निष्पक्षता के सिद्धांत का कभी-कभी वंचित समुदायों के प्रति करुणा की आवश्यकता के साथ टकराव हो सकता है। भारत में सिविल सेवाओं के संदर्भ में चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

The principle of impartiality may conflict with the need for compassion towards marginalized communities. Discuss in the context of civil services in India. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Impartiality refers to non-discriminatory and Apolitical civil services.

Compassion, on the other hand, refers to feeling suffering of others and alleviating them with Moral Courage.

Conflict between Compassion & ~~Integrity~~ Impartiality

1. Compassion involves partiality towards weaker section :-
   e.g. COVID-19 vaccination first to elderly.

2. Impartiality promotes justice without mercy
   e.g. rigid objectivity in boys and girls neglecting the gender injustices.

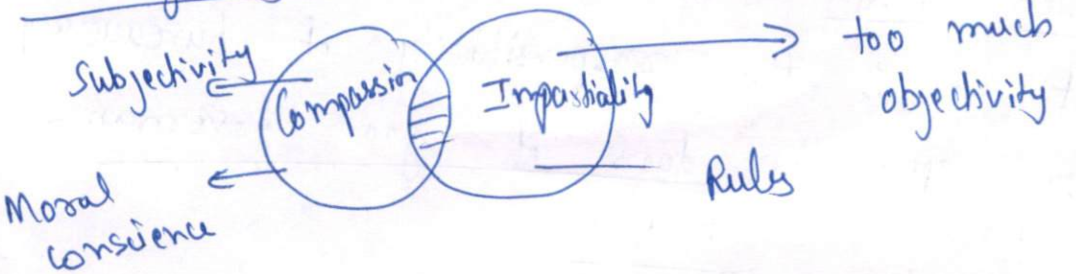

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Coherence in Compassion towards marginalised and Impartiality

1. Justice with Mercy :-
   e.g. Mid-day meal for malnourished and dropping out students.

2. Positive discrimination for equity :-
   e.g. Naari shakti Vandana Adhiniyam to address gender absence in legislatures.

3. Subjective objectivity :- spirited Rule of law
   e.g. Special Category Status for Hilly & North-Eastern States.

4. To promote long term impartiality :-
   e.g. Quota based time-bound reservation until merit is not privileged.

5. To check Misplaced empathy :- e.g. drug addicts

Thus, true impartiality requires compassion and true compassion must be impartial.

VisionIAS

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

What do each of the following quotations mean to you?

(a) "किसी राष्ट्र की ताकत उसके घर की अखंडता से उत्पन्न होती है।" - कन्फ्यूशियस (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"The strength of a nation derives from the integrity of the home." - Confucius (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

Confucious is a Chinese philosopher who in above quote is underscoring the essence of real strength which comes from the integrity inside of a nation.

Integrity of the Home

1. Peace and Tolerance to diversity
e.g. Accomodating federalism of India through 5th - 6th schedule (Tribal Integrity)

2. Adherence to desirable values of democracy
e.g. American liberal policies.

3. Inner reforms as Gandhi ji said → Change begins from you
e.g. Inner Party democracy for equitable representation.

4. Check on any secessionism :-
e.g. Aristotle held Inequality is root cause of any revolution.

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Strength of a nation

1. Soft Power through adherence to cultural values
e.g. Indian Buddhism and soft-power diplomacy in South-East Asia.

2. Diverse and flexible nationality
e.g. declining legitimacy of west on Anti-immigration policies.

3. To act as per your saying → Breaking Cognitive dissonance
eg India's Lifestyle for Environment (Life) and its 49.1% RE Base (completed NDC targets)

4. Human rights at home
e.g. Reproductive autonomy to women in India but challenged in US.

Thus, Confucious is presenting the ethical foundations of ~~Nation~~ National Global Image which transforms [sovereignty] into [Responsibility to protect at home]

VisionIAS

3. (b) "उसी नियम के अनुसार आचरण करें जिसके बारे में तत्क्षण आप सार्वभौमिक विधि बनाने का संकल्प कर सकें।"- इमानुएल काण्ट (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"Act only according to that maxim through which you can at the same time will that it become a universal law."- Immanuel Kant (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this marg

Immanual Kant is a deontulogical thinker for whom ethical righteousness is universal. His maxim guides human conduct by arguing that only universal deeds are ethical.

Ethical Universalism

1. Common human values →

e.g. Gandhian non-violence inspired American civil rights and African Anti-Apartheid movement.

2. The integrity to human dignity →

e.g. Refugees asylum irrespective of their nationality.

3. Truthfulness & Honesty

e.g. Santosh Deshmukh brutally murdered for his moral courage against extortion bids in Maharashtra.

4 Moral Conscience for :- e.g. Gaza, Ukraine Humanitarian crisis.

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. Empathy :- language of the universe
(e.g.) IUCN efforts to prevent extinction of biodiversity.

However, there is Ethical Relativism too :-

1. Social contexts & morality :-
e.g. Sacred Groves (Blind following of good traditions)

2. Complexity in choosing Universal Moral Conscience
e.g. Passive Euthanasia.

3. Adherence to Code of organization
e.g. confidentiality (non-transparency) on national security grounds.

Nevertheless, there can be a universal moral threads that binds all humans in the righteousness & human dignity.

VisionIAS

3. (c) "हम न केवल उसके लिए जिम्मेदार होते हैं जो हम करते हैं, बल्कि उसके लिए भी जिम्मेदार होते हैं जो हम करने में विफल रहते हैं।" - मोलियर (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"We are not only responsible for what we do, but also for what we fail to do"- Molière. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Molière in above quote is emphasising on our responsibility for both actions as well as inactions.

Responsible :- for what we do

1. JS Mill's Harm Principle :-
not to harm other's freedom
eg. Identity theft is immoral

2. Accountability of governance to citizens
e.g. RTI disclosure sec 4.

3. Socially responsible Business
eg. ~~Producer~~ Extended Producer responsibility in e-waste generation

4. Grievance Redressal in case of harm
e.g. loss & damage fund for small islands like Vanuatu.

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Responsible for what we fail to do

1. Indifference to evil
   eg. Naked women parades in Manipur → rising moral threshold of society.

2. Proactive Planning → Repurcussions later
   e.g. Industrial Revolution in 19th century without sustainability causing climate change in 20th – 21st century.

3. Inaction to reduce morality
   eg. rising humanitarian crisis in Middle East.

4. Manufactured Risk society (Ulrich Beck)
   eg. AI disruptions if we fail to generate new skills with insurances.

As Plato rightly said that if we are indifferent to public affairs, we will be ruled by evil.

VisionIAS

4. (a) देशभक्ति नैतिक प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करती है, जबकि राष्ट्रवाद प्रायः इसका दमन करता है। अत्यधिक दबाव वाली राष्ट्रीय घटनाओं के दौरान राजनीतिक अभिवृत्तियों के विकास के संदर्भ में इस कथन पर चर्चा कीजिए। व्यक्ति ऐसी नैतिक अभिवृत्तियों को किस प्रकार विकसित कर सकते हैं, जो राष्ट्रीय हित और नैतिक तर्क के बीच संतुलन स्थापित करें? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Patriotism encourages ethical questioning, while nationalism often suppresses it. Discuss this statement in light of the formation of political attitudes during high-pressure national events. How can individuals develop moral attitudes that balance national interest with ethical reasoning? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Rabindranath Tagore was against parochial nationalism that limits learning from one's mistakes & achievements of others. Moreover, Tagore says such a Nationalism is a blind faith often leading to demise of one's nation.

~~Moral Attitudes to balance~~

Formation of Political Attitudes during High-Pressure national events

Patriotism

1. Questioning US bomb throwing on Iran →
2. Questioning on Nation's budget allocation → defence v/s social infrastructure →

Nationalism

1. Considering it as US National Interest.
2. Blind following of securitized speech eg. Pakistan IMF loan.

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Patriotism	Nationalism
3. Asking for transparent data on electoral funding → (SC ADR 2024 case)	→ 3. Privacy of the crony capitalism.

Developing Moral Attitudes to balance National Interest with ethical reasoning.

1. Enlightened National Interest
   e.g. India's Srilankan financial aid → supported by ethical altruism
2. Critical Questioning for active democracy →
   e.g: Rafale deal debates in India
3. ~~Human security~~ over state security
   e.g. questioning on Humanitarian crisis in Gaza and Ukraine.
4. Social Contract of Rousseau :-
   General will :- will of the people for the state e.g. ~~[illegible]~~. UNDHR.

J.S. Mill rightly said in this context;

"The worth of state is determined by worth of the individuals!"

VisionIAS

4. (b) चर्चा कीजिए कि निजी संगठनों में कर्मचारी कल्याण और निष्पक्षता को दक्षता एवं लाभप्रदता के साथ किस प्रकार संतुलित किया जा सकता है। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss how employee well-being and fairness can be balanced with efficiency and profitability in private organisations. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

"Business fails when society arounds them fails" → demonstrates how private organizations are accountable for socio-economic well-being of its people i.e, employees

Balancing Employees well-being and fairness with efficiency and profitability

1. Motivation theory of management

Employees wellbeing (e.g EPFO) → increased efficiency.

2. Positive work culture :- effective communication of goals and principles of organization (eg) TATA

3. Corporate governance (Uday Kotak Committee) with independent directors

(eg) learning from lessons of failure of Byjus.

VisionIAS

4. Reframing positive attitude

Initial Attitude	Reframed Attitude	Outcome
↓	↓	↓
employee - employer conflict (Trade disputes)	Article 48 A Collaborative mangement (Mediation)	Increased efficiency & talent retention

5. Corporate responsibility to address challenges like Luddite fallacies :-

AI led job displacment — Unethical

AI skilling - reskilling — Ethical.

6. Code of Conduct :-

eg. Consumer as God values.

Challenges like increased costs, delays in training and Communication hierarchies can be tackled through ethical work culture & innovations.

As Warren Buffet rightly said, look for integrity apart from intelligence and skills in the employees.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

5. (a) क्या आप इस बात से सहमत हैं कि सोशल मीडिया और उभरती हुई ए.आई. प्रौद्योगिकियों के अत्यधिक उपयोग से किशोरों में भावनात्मक नियमन और नैतिक संवेदनशीलता में कमी आ सकती है? अपने उत्तर का औचित्य सिद्ध कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Do you agree that excessive use of social media and emerging AI technologies may lead to a decline in emotional regulation and moral sensitivity among adolescents? Justify your answer. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Recently MIT conducted a study where AI was found to be eroding cognitive creativity and ethical reasoning ability of the students.

Dangers of Excessive use of social media and emerging technologies like AI

1. Erosion of traditional values due to cultural amnesia :- eg. grandparents moral stories replaced by mobile phones.

2. Normalization of immorality :- eg. frequent exposure to humanity crisis in war torn Middle-East → Banality of Evil

3. Algorithmic value imposition :- eg. Individualism over community redistribution

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4. Rising consumerism :- one - dimensional mindset

5. Aggressive competition of likes, dislikes → eroding [Altruism & social good sense]

However, there are opportunities of increased moral sensitivity and emotional regulation too

1. Global exposure of ~~human~~ values :-
Me too, # Black lives matter.

2. Greater awareness of unethical consequences with virtual videos.
eg. Mahabharata learnings through graphics.

3. Moral dilemma exercises online :-
eg. Privacy v/s Transparency choices.

4. Environmental Ethics :-
Grow more Tree drives → digital mobilization

It depends upon [human - agency] and [parental guardrails] to ensure ethical use of digital interfaces.

VisionIAS

5. (b) भारत में छात्रों में आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं के आलोक में, चर्चा कीजिए कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता (ई.आई.) तनाव और भावनात्मक चुनौतियों के प्रबंधन में किस प्रकार सहायता कर सकती है। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

In light of the increasing incidents of suicides among students in India, discuss how Emotional Intelligence (EI) can aid in managing stress and emotional challenges. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

As per NCRB more than 13,000 suicides attempts happened in last 2 years amongst students. It is a moral challenge for whole society.

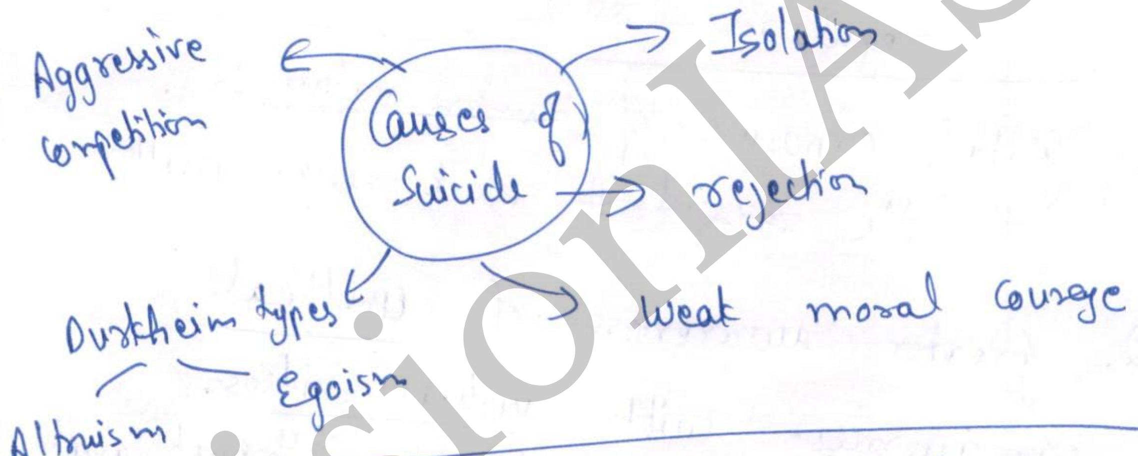

EI in Emotional Intelligence in managing stress and emotional challenges

1. Self-understanding → Realisation → Goals achievement

Eg. Dr. BR Ambedkar's EQ ~~tea~~ ~~need~~ led to his mobility from untouchability trauma to legal empowerment.

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2. Empathy towards oneself →
self - understanding in pain and rejection
eg. Divyang social worker Gurvinder Singh transformed his pain of Accident → to goal free ambulance services.

3. Self - Motivation to shun bad habits
eg. suicidal thoughts and drug abuse.

4. Better interpersonal relations :-
family, friends & peer groups.

5. Identifying root cause of suicidal thoughts :- awareness to empowerment

6. Self - love & Introspection :- Yoga, Meditation

As T. Maya Robinson rightly said

when awareness is brought to emotion, power is brought in life

VisionIAS

6. (a) लोक सेवा में, भावनात्मक बुद्धिमत्ता का अर्थ भावनाओं को दबाना नहीं, बल्कि समानुभूति और शक्ति के साथ दूसरों से जुड़ने, तनाव या टकराव शांत करने तथा उनका उत्थान करने के इसके उद्देश्य में निपुणता प्राप्त करना है। क्या आप इस विचार से सहमत हैं? विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

In public service, emotional intelligence is not about suppressing emotion, but mastering its purpose — to connect, to de-escalate, and to uplift others with empathy and strength. Do you agree with this view? Discuss. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Emotional Intelligence (EQ) is the ability to understand one's and others emotion to manage & regulate them for meaningful and purposeful life (Daniel Goleman).

EQ in Public Services

1. Not about suppressing emotion
↓
against Weberian Ivory tower bureaucracy
→ isolated from social grievances
eg Deep State of Pakistan

2. To connect :-
↳ grievances of the marginalised
↳ public-spirited actions.

eg IAS Divya Devarajan's learning of tribal language not only to

www.visionias.in
VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Communicate but to connect with grievances of people.

(3.) To - de-escalate

↓

Response, not reaction to the situation

↓

Calmness → righteous decision making

(Eg.) IPS Meera Borwankar's sensitive policing in Jalgaon Sex Scandal.

(4.) To uplift others

↓

understanding the extraordinary potential of ordinary people

↓

to trustiy the ability of mass action

(Eg.) IAS of Thoothukudi enabled differently-abled to open Cafe-Able.

In this way, EQ brings empathy and strength in the public services and their enhanced public interface with people.

VisionIAS

6. (b) एक कुशल कार्य संस्कृति का निर्माण केवल नियमों पर नहीं, बल्कि साझा मूल्यों पर आधारित होता है। इस संदर्भ में, किसी संगठन के भीतर कार्य संस्कृति को परिवर्तित करने में नेतृत्व और टीम के पारस्परिक व्यवहार के तरीके की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

An efficient work culture is built not only on rules, but on shared values. In this context, evaluate the role of leadership and team dynamics in transforming work culture within an organization. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Peter Drucker held that

"Culture eats strategy for Breakfast"

↓

It means howsover good strategy one plans, but inefficient culture will led to its failure.

Transforming Work Culture within an organization

(A.) Role of leadership

1. Motivating all employees
(eg) Ratan Tata

2. Levinson's theory of conflict resolution — empathy, specificity & solution oriented.

3. Kohleberg's theory of morality :-
Rewarding efficient for role-modelling.

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4. Objective & Rational decision making

eg. TN Seshan's leadership in ECI reforms in 1990s

5. Adherence to Integrity

eg. E. Shreedharan's moral leadership in Metro project.

Role of Team Dynamics

1. Effective & Empathetic Communication :-
eg. ECI's role in bringing booths in Siachen, gir forest

2. Code of Conduct & Ethics
eg. ISRO's space endeavours → Chandrayaan 3

3. ESG governance :-
e.g. Patagonia's shares transfers for climate cause.

Culture determines the destiny of organisations

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

7. आप एक राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग में संयुक्त सचिव के पद पर कार्यरत हैं। हाल ही में, सरकार ने कई नागरिक-केंद्रित डिजिटल सेवाएं लागू की हैं, जिनके माध्यम से बड़ी मात्रा में निवासियों से व्यक्तिगत डेटा एकत्र किया जा रहा है। डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (DPDP) अधिनियम, 2023 के अनुसार, ऐसे डेटा को केवल स्पष्ट और सूचित सहमति के साथ ही संसाधित किया जाना चाहिए और और यदि व्यक्ति अपनी सहमति वापस ले लेता है, तो डेटा का संसाधन तुरंत रोकना अनिवार्य है।

एक आंतरिक ऑडिट के दौरान, आपको पता चलता है कि विभाग कई नागरिकों के व्यक्तिगत डेटा को उनके द्वारा अपनी सहमति औपचारिक रूप से वापस लेने के बावजूद संसाधित और विश्लेषित कर रहा है। इस डेटा का उपयोग नीति विश्लेषण और सेवा सुधार जैसे उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है, जो डेटा एकत्र करते समय स्पष्ट रूप से बताए नहीं गए थे। जब आप इस मुद्दे को विभाग प्रमुख के संज्ञान में लाते हैं, तो आपको बताया जाता है कि डेटा संसाधन को रोकने से चल रही डिजिटल पहलें बाधित हो सकती हैं और राज्य स्तर के प्रदर्शन संकेतक प्रभावित हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त, आपको यह भी पता चलता है कि सहमति वापसी की प्रक्रिया अत्यधिक जटिल है और अधिकांश नागरिकों को डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत प्रदत्त अपने अधिकारों की जानकारी नहीं है।

आपको यह भी पता चलता है कि एक प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता व्यक्तिगत डेटा के बिना सहमति के उपयोग के विरुद्ध डेटा संरक्षण बोर्ड में शिकायत दर्ज कराने की योजना बना रहा है, जिससे विभाग के विरुद्ध सार्वजनिक जांच और विधिक कार्रवाई हो सकती है।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों की पहचान करते हुए उन पर चर्चा कीजिए।

(b) यदि इस मुद्दे का पारदर्शी तरीके से समाधान नहीं किया गया तो विभाग के लिए संभावित परिणाम क्या हो सकते हैं?

(c) आप कुशल लोक सेवा वितरण की आवश्यकता और नागरिकों के डेटा अधिकारों की सुरक्षा के दायित्व के बीच किस प्रकार संतुलन स्थापित करेंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are posted as the Joint Secretary in the Department of Information Technology of a state. The government recently implemented several citizen-centric digital services, collecting large volumes of personal data from residents. The Digital Personal Data Protection (DPDP) Act, 2023, requires that such data be processed only with explicit and informed consent, and mandates that processing must cease immediately upon withdrawal of consent.

During an internal audit, you discover that the department continues to process and analyze personal data of several citizens even after they have formally withdrawn their consent. This data is being used for policy analytics and service improvement, purposes not explicitly disclosed at the time of data collection. When you bring this to the attention of your department head, you are informed that halting the processing will disrupt ongoing digital initiatives and may affect state-level performance metrics. Moreover, you find that the consent withdrawal process is cumbersome, and many citizens are unaware of their rights under the DPDP Act.

You also learn that a prominent social activist is planning to file a complaint with the Data Protection Board against involuntary use of personal data, which could attract public scrutiny and legal action against the department.

(a) Identify and discuss the ethical issues involved in this case.

(b) What are the potential consequences for the department if the issue is not addressed transparently?

(c) How would you balance the need for efficient public service delivery with the obligation to protect citizens' data rights? (Answer in 250 words) 20

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Data Privacy v/s Digital Services

The case above demonstrates how ~~da~~ personal data is being commodified in 21st century raising ethical dilemmas. Puttaswamy judgement held that Right to Privacy is inherently part of Article 21 - Right to life & Personal liberty.

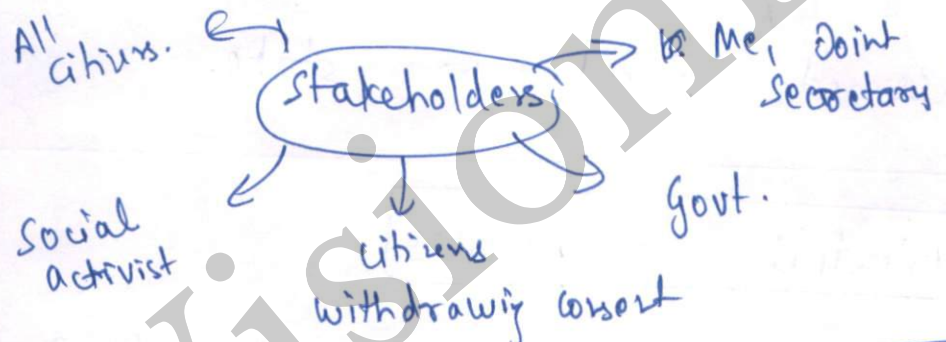

a) Ethical Issues involved

1. lack of integrity towards Rule of law
— violation of DPDP Act, 2023 while implicitly using data for policy analytics

2. lack of citizen-centric governance
poor awareness of digital rights.

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

3. Means v/s Ends
↓ ↓
violation of data privacy v/s digital service improvement.

4. Consequential Ethics :-
Complaint of social Activist may jeopardize the public trust on govt.

5. Violation of Social Contract (Rousseau)
deemed consent for state.

(b.) Potential consequences

1. Slippery slope → misuse of personal data for state surveillance

2. Erosion of Public Trust →
citizen RTI filing may reveal the truth.

3. Against Ideontological ethics :-
violation of Right to Privacy →

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

fundamental right of citizens

4. Unethical Governance :- Non-accountable for data breaches → tolerating implicit use.

5. Ivory tower syndrome :- Ineffective grievance minimization through risk-proofing in the organization

---

c) My course of action

1. Proactive disclosure of data usage for digital service improvement

Thomas Jefferson :- Transparency is the key.

2. Zero tolerance for any irresponsible data breaches

3. Rawlsian Veil of Ignorance →

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

True justice through neutrality from public data interest for professional efficiency.

4. Informing Citizens for already utilized data with deemed consent for accountability.

5. Transforming culture of Transparency in my organization.

6.

In 21st century, data is the soul of people. It is the responsibility of State to safeguard & not sabotage this essential entity

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

8. आप एक IAS अधिकारी हैं और वर्तमान में एक पहाड़ी राज्य में लोक निर्माण विभाग के सचिव के पद पर कार्यरत हैं। हाल ही में, एक वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के दो अभियंताओं से जुड़ी एक गंभीर घटना सामने आई है। एक महत्वपूर्ण राजमार्ग परियोजना के निरीक्षण के दौरान, मंत्री को कथित रूप से एक वीडियो में सार्वजनिक रूप से अभियंताओं के साथ शारीरिक उत्पीड़न और अपमानजनक भाषा का प्रयोग करते हुए देखा गया। यह वीडियो वहां से गुजर रहे लोगों द्वारा रिकॉर्ड किया गया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया तथा टेलीविजन चैनलों द्वारा भी इसे व्यापक रूप से कवर किया गया, जिससे समाज के विभिन्न वर्गों में आक्रोश और समर्थन दोनों देखने को मिला। बाद में मंत्री ने अपने कृत्य का बचाव करते हुए आरोप लगाया कि संबंधित अधिकारी भ्रष्ट हैं, स्थानीय शिकायतों के प्रति अनुत्तरदायी हैं और परियोजना में अत्यधिक विलंब के लिए जिम्मेदार हैं। मंत्री द्वारा यह भी कहा गया कि उसका व्यवहार जनता की निराशा और दूरस्थ क्षेत्र में समय पर अवसंरचना के निर्माण की आवश्यकता से प्रेरित था।

हालांकि, अभियंताओं ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। साथ ही, उन्होंने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र लिखकर यह दावा किया है कि उन्हें इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि उन्होंने मंत्री से जुड़े स्थानीय ठेकेदारों को ठेका देने के लिए डाले जा रहे राजनीतिक दबाव का विरोध किया था। स्थिति के अधिक गंभीर होने पर, NHAI अभियंताओं के एक संघ ने मंत्री के खिलाफ कार्रवाई और अधिकारी की गरिमा की रक्षा की मांग करते हुए हड़ताल की घोषणा कर दी। इसके कारण कई महत्त्वपूर्ण अवसंरचनात्मक परियोजनाएं ठप हो गई हैं, जिनमें जनजातीय क्षेत्रों में सड़क संपर्क, मानसून पूर्व मरम्मत कार्य और सामरिक सीमा सड़कें शामिल हैं।

मुख्य सचिव ने आपको तथ्यान्वेषण रिपोर्ट तैयार करने के साथ ही राज्य और केंद्र सरकार की एजेंसियों के बीच सुचारू समन्वय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। इस बीच, मंत्री का कार्यालय आप पर अनौपचारिक रूप से घटना को कम महत्वपूर्ण दिखाने का दबाव बना रहा है। मीडिया दो भागों में बंटा हुआ है — कुछ मंत्री को भ्रष्टाचार के विरुद्ध योद्धा के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं, जबकि अन्य इसे प्रशासनिक आचरण और विधि के शासन का गंभीर उल्लंघन बता रहे हैं। विभिन्न विभागों के सिविल सेवकों ने व्यक्तिगत सुरक्षा, गरिमा और राजनीतिक हस्तक्षेप की बढ़ती घटनाओं के संबंध में चिंता व्यक्त की है, वहीं अवरुद्ध अवसंरचना कार्यों के कारण नागरिकों में भी असंतोष बढ़ रहा है।

(a) इस प्रकरण में शामिल प्रमुख नैतिक मुद्दे क्या हैं? हितधारकों और उनके परस्पर विरोधी हितों की पहचान कीजिए।

(b) लोक निर्माण विभाग के सचिव के रूप में, आप उपर्युक्त स्थिति में क्या कार्रवाई करेंगे?

(c) ऐसी घटनाएं सिविल सेवकों के मनोबल और शासन में जनता के विश्वास को कैसे प्रभावित करती हैं? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are an IAS officer, currently serving as the Secretary of the Public Works Department in a hill state. Recently, a disturbing incident has come to light involving a senior Cabinet Minister and two engineers of the National Highways Authority of India (NHAI). During an inspection of a critical highway project, the Minister was allegedly seen on video physically assaulting and verbally abusing the engineers in full public view. The video, recorded by bystanders, went viral on social media and was widely covered by television channels, sparking both outrage and support from different sections of society. The Minister later defended his actions, alleging that the officials were corrupt, unresponsive to local grievances, and responsible for inordinate delays in the project. He insisted that his actions were driven by public frustration and the urgency of delivering infrastructure to a remote region.

However, the engineers have filed a police complaint and written to their superiors, claiming they were targeted for resisting political pressure to award contracts to specific local contractors linked to the Minister. As the situation escalated, a union of NHAI engineers declared a strike,

www.visionias.in

VisionIAS

demanding action against the Minister and protection of officer dignity. This has brought several critical infrastructure projects to a standstill, including road connectivity to tribal areas, pre-monsoon repair works, and strategic border roads.

You have been directed by the Chief Secretary to prepare a fact-finding report, while also ensuring smooth coordination between state and central agencies. Meanwhile, the Minister's office is informally pressuring you to downplay the incident. The media is sharply divided — some portraying the Minister as a crusader against corruption, others condemning the act as a serious breach of administrative ethics and rule of law. Civil servants across departments have expressed concern about personal safety, dignity, and increasing political interference, while citizens are now growing restless due to halted infrastructure works.

(a) What are the key ethical issues involved in this situation? Identify the stakeholders and their conflicting interests.

(b) As the Secretary of the PWD, what actions will you take in above situation?

(c) How do such incidents affect the morale of civil servants and public trust in governance? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

The case above demonstrates the undue political interference in the civil services → breaching the anonymity and impartiality of the bureaucracies which are desirable values as per All India Services Rules, 1964

a) Key ethical issues

1. Political Interference in permanent executives

2. Truth distortion on social media → Minister's statements v/s contractor's grievances

3. NHAI engineers strike → halting of

VisionIAS

critical public services

4. Morale of the civil servants endangered.

5. Public trust in governance under threat due to corruption allegations

---

(*) Stakeholders

1. Me, secretary of the PWD
2. Engineers NHAI
3. Cabinet Minister
4. Citizens.
5. government.

Conflicting interest

1. Dignity & Motivation of Civil Servants v/s Minister's public accountability.

2. Public trust on good governance v/s Unethical Corruption

3. Anonymous civil servants v/s Social media truth distortions

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(b.) As the secretary of the PWD, I will take these actions :-

1. Impartial Probe in the matter to dig out true ~~reso~~ reasons behind Minister's assault on engineers.

2. Meanwhile, I will ensure that engineer strikes are not violating the basic law & order & right of common citizens. (Shaheen Bagh case judgement)

3. Impartiality against political pressures of Minister (Gandhian adherence to Court of Conscience)

4. Dismantling fake & misinformation on social media for public trust and Right to True Information.

5. Taking actions as per the Reports finding (Malimath Committee → evidence driven approach)

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

c) **Affect on Morale of Civil servants**

1. Discouraging the good work.
2. Toxic work culture → resignation drives (ex. in Harayana Police).
3. Breach their anonymity (4th tiger of Ashoka – hidden but valour)
4. weaken their public interface :-
(eg) Public perception of Police as Trouble Maker and not trouble shooter.

Affect on Public Trust

1. ~~Soft~~ Perception of soft state → weak on criminals → Itself corrupt.
2. Declining voter turnout (64% in 18th Lok Sabha) (Voters Apathy)
3. ~~Go~~ increased distance b/w governed and govt (→ legitimacy crisis)
4. fuels revolutions, violence (eg) Naxalism.

Thus, Anonymity of Public Services & Anti-corruption of govt are crucial for Public Trust.

VisionIAS

9. आप भारत सरकार के कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (DoPT) में सचिव के पद पर कार्यरत हैं। हाल के वर्षों में, लोक सेवकों, विशेष रूप से IAS, IPS और IRS से संबंधित ऐसे युवा अधिकारियों की संख्या में वृद्धि हो रही है, जो अपने व्यक्तिगत यूट्यूब चैनल और सोशल मीडिया पेज बना रहे। इन प्लेटफार्मों पर, वे नियमित रूप से अपने आधिकारिक कार्यों — नवाचारी परियोजनाओं, जनसंपर्क पहलों, निरीक्षण यात्राओं और कभी-कभी दैनिक प्रशासनिक गतिविधियों - से संबंधित वीडियो भी पोस्ट करते हैं।

इन वीडियो पर प्रायः व्यापक रूप से जनता द्वारा ध्यान केंद्रित दिया जाता है और कई दर्शक यह कहते हुए इसकी सराहना करते हैं कि ऐसी सामग्री पारदर्शिता को बढ़ावा देती है, अभ्यर्थियों को प्रेरित करती है और नौकरशाही को मानवीय बनाती है। हालांकि, विभिन्न वर्गों से कुछ चिंताएं भी सामने आई हैं। वरिष्ठ अधिकारी तर्क देते हैं कि ऐसी सामग्री व्यक्तिगत ब्रांडिंग और लोक सेवा के बीच की सीमाओं को धुंधला कर सकती है, जबकि कुछ नागरिक और मीडिया विश्लेषक ऐसे उदाहरणों की ओर संकेत करते हैं, जहां वीडियो में बिना सहमति के सुभेद्य लाभार्थियों को दिखाया जाता है, आधिकारिक परिसरों का दुरुपयोग किया जाता है या ऐसा प्रतीत होता है कि वीडियो सार्वजनिक उत्तरदायित्व की तुलना में व्यक्तिगत लोकप्रियता बढ़ाने हेतु बनाए गए हैं।

एक प्रकरण में, एक जिलाधिकारी को एक विद्यालय के औचक निरीक्षण के दौरान शिक्षकों को कैमरे पर डांटते हुए देखा गया — यह वीडियो बाद में उनके व्यक्तिगत यूट्यूब चैनल पर पोस्ट किया गया, जो मोनेटाइज भी है। कुछ लोगों ने अधिकारी द्वारा अपनाए गए सख्त रवैये की सराहना की, जबकि अन्य ने शिक्षकों को सार्वजनिक रूप से डांटने और सेवा की गरिमा का उल्लंघन करने की आलोचना की। एक अन्य मामले में, एक पुलिस अधिकारी को बाढ़ बचाव अभियान का निर्देशन करते हुए देखा गया, जहां उसके कर्मचारी ड्रोन कैमरे में माध्यम से इसे फिल्मा रहे थे, जिसे बाद में सोशल मीडिया के लिए एक प्रेरणादायक वीडियो के रूप में संपादित किया गया। आपको लोकहित, संस्थागत सत्यनिष्ठा और संचार के बदलते तरीकों के बीच संतुलन बनाए रखने हेतु अनुशंसाओं सहित एक रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा गया है।

(a) लोक सेवकों द्वारा अपने आधिकारिक कार्यों को सोशल मीडिया पर सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करने के कृत्यों में शामिल नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) क्या ऐसी प्रथाएं जागरूकता और प्रेरणा को प्रोत्साहन देती हैं या क्या ये अनामिता, तटस्थता और सामूहिक सेवा भावना के मूल्यों से समझौता करती हैं? अपना मत दीजिए।

(c) सचिव के रूप में, लोक सेवकों की उत्तरदायी डिजिटल सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए आप कौन-से मार्गदर्शक सिद्धांत और नीतिगत अनुशंसाएं सुझाएंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are the Secretary in the Department of Personnel and Training (DoPT), Government of India. In recent years, an increasing number of civil servants, particularly younger officers from the IAS, IPS, and IRS, have begun maintaining personal YouTube channels and social media pages. On these platforms, they regularly post videos related to their official work — showcasing innovative projects, public outreach initiatives, inspection drives, and sometimes even day-to-day administrative duties.

These videos often receive widespread public attention, and many viewers express admiration, saying such content enhances transparency, motivates aspirants, and humanizes the bureaucracy. However, concerns have also emerged from various quarters. Senior officers argue that such content may blur the boundaries between personal branding and public service, while some citizens and media commentators point to instances where videos feature vulnerable beneficiaries without consent, raise concerns about misuse of official premises, or seem designed more for personal popularity than public accountability.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

In one case, a district magistrate was seen filming a surprise school inspection in which teachers were scolded on camera — the video was later posted to his personal YouTube channel that is also monetized. While some praised the officer's strictness, others criticized the public shaming of teachers and the breach of service dignity. In another case, a police officer was seen directing a flood rescue operation while his staff filmed drone footage, later edited into a motivational video for social media. You have been asked to prepare a report with recommendations to balance public interest, institutional integrity, and evolving modes of communication.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(a) Identify the ethical issues involved in civil servants publicly showcasing their official work on social media.

(b) Do such practices promote awareness and motivation, or do they compromise the values of anonymity, neutrality, and collective service ethos? Give your opinion.

(c) As the Secretary, what guiding principles and policy recommendations would you suggest to ensure responsible digital engagement by civil servants? (Answer in 250 words) 20

The Case above highlights the social media penetration of likes, dislikes Culture even in Bureaucracy. On one hand it promotes transparency, on the other hand can cause serious Confidential breaches

a) Ethical Issues involved

1. Self-oriented service for public applause rather than self-less service.
2. Non accountability for mismatches in official and social media information.
3. Question on Anonymity of civil servants
4. Transparency of service v/s Public Pleasing Governance

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. Social Media accountability (Virtual) v/s Real ground work (mostly routine, rigorous & slow).

(b) Such practices promote transparency, awareness & motivation

1. Public Scrutiny (24/7) on civil servants activity.
2. Humanizing Administration
3. Motivation theory :- People appreciating good work → spiral of more civil servants activism.
4. Can check corruption & Arbitrariness
5. Enhanced Right to Information of the citizens.

They compromise the values of Anonymity, Neutrality & Collective Service ethos

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

1. Self-Aggrandizement :- may erode karm spirit

2. may promote politicization → compromise on neutrality.

3. Breach of confidential information → risk to public safety, law & order.

4. External source of motivation → rather than internal dedication to duty.

In my opinion, social media should be used in limited manner → to promote services and not to promote civil servants

---

1) Policy recommendations for responsible digital engagement by civil servants.

1. Code of Conduct on Social Media
Do's Don'ts on confidential ; transparent Information

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2. Adherence to organizational integrity

e.g. ECI's actions against official posting ~~____~~ election duty posts.

3. limited promotion of social media messaging → avoiding mismatching or ~~____~~ earlier disclosures.

4. Team-work highlighting → to maintain positive work culture.

5. Penalty provisions for non-adherence to ~~Civil~~ Civil servants rules on social media.

As Kautilya says balancing Danda (Discipline) and Anugraha (Compassion) can guide changing ~~behav.~~ craze on unregulated social media posts by civil servants.

VisionIAS

10. आप नेशनल बायोएथिक्स कमीशन के निदेशक हैं, जो एक राष्ट्रव्यापी जीन अनुक्रमण कार्यक्रम की नैतिक व्यवहार्यता और निगरानी का आकलन करने के लिए उत्तरदायी हैं। "जीन फ्यूचर" नामक इस परियोजना का उद्देश्य प्रत्येक नवजात शिशु के डी.एन.ए का अनुक्रमण करना और उसे एक केंद्रीकृत राष्ट्रीय डेटाबेस में संग्रहीत करना है। इसका उद्देश्य जीवन की प्रारंभिक अवस्था में ही गंभीर बीमारियों के प्रति आनुवंशिक प्रवृत्तियों की पहचान करना है, ताकि निवारक उपचार और वैयक्तिकृत चिकित्सा संभव हो सके। इस कार्यक्रम के प्रायोगिक चरण में पहले ही 1,00,000 से ज्यादा शिशुओं को नामांकित किया जा चुका है। सरकार का दावा है कि यह जन स्वास्थ्य उन्नति की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

यद्यपि, नवजात शिशुओं के आनुवंशिक डेटा का संग्रह गंभीर नैतिक चिंताएँ उत्पन्न करता है, विशेष रूप से सूचित सहमति के संबंध में, जो संभवतः दीर्घकालिक जोखिमों के बारे में माता-पिता की समझ को पूरी तरह से नहीं दर्शाती है। एक बार एकत्रित हो जाने के बाद, इस संवेदनशील डेटा का दुरुपयोग निगरानी, बीमा भेदभाव या तृतीय पक्षों द्वारा व्यावसायिक विपणन जैसे उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। डेटा के स्वामित्व को लेकर अनिश्चितता—कि यह राज्य का है, माता-पिता का है, या उस बच्चे का है जब वह वयस्क होगा—इस मुद्दे को और जटिल बना देती है। निजी तकनीकी और दवा कंपनियों की संलिप्तता से वाणिज्यिक शोषण की आशंकाएं बढ़ जाती हैं, विशेष रूप से इस प्रकार के स्पष्ट तंत्र के अभाव में, जिसके तहत वयस्क होने पर व्यक्ति अपनी सहमति वापस ले सकता है या अपनी आनुवंशिक जानकारी को हटा सकता है।

(a) आपके विचार में जीन फ्यूचर कार्यक्रम के कार्यान्वयन में कौन-से नैतिक मुद्दे शामिल हैं?

(b) इस प्रकरण में विभिन्न हितधारकों के परस्पर विरोधी हितों की पहचान कीजिए।

(c) इस परियोजना के कार्यान्वयन के लिए आप किन मार्गदर्शक नैतिक सिद्धांतों की अनुशंसा करेंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are the Director of the National Bioethics Commission who is responsible for assessing the ethical feasibility and oversight of a nationwide gene sequencing program. The project named GeneFuture, aims to sequence the DNA of every newborn child and store it in a centralized national database. The objective is to identify genetic predispositions to serious diseases early in life, allowing for preventive treatment and personalized medicine. Over 100,000 babies have already been enrolled in the pilot phase of the program. The government claims that this move is a landmark step in public health advancement.

However, collection of newborn genetic data raises significant ethical concerns, particularly around informed consent, which may not fully capture parents' understanding of the long-term risks involved. Once gathered, this sensitive data could be misused for purposes such as surveillance, insurance discrimination, or commercial marketing by third parties. Uncertainty over data ownership—whether it lies with the state, parents, or the individual as they mature—further complicates the issue. The involvement of private tech and pharmaceutical companies heightens fears of commercial exploitation, especially in the absence of clear mechanisms for individuals to withdraw consent or delete their genetic information upon reaching adulthood.

(a) What are the ethical issues you perceive in the implementation of the GeneFuture program?

(b) Identify the conflicting interests of different stakeholders in this case.

(c) What guiding ethical principles would you recommend for implementation of this project? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

The Gene future project in this case showcases the complexities of the data collection, ~~god~~ storage & consent management. It raises ethical questions on data integrity, accountability and transparency.

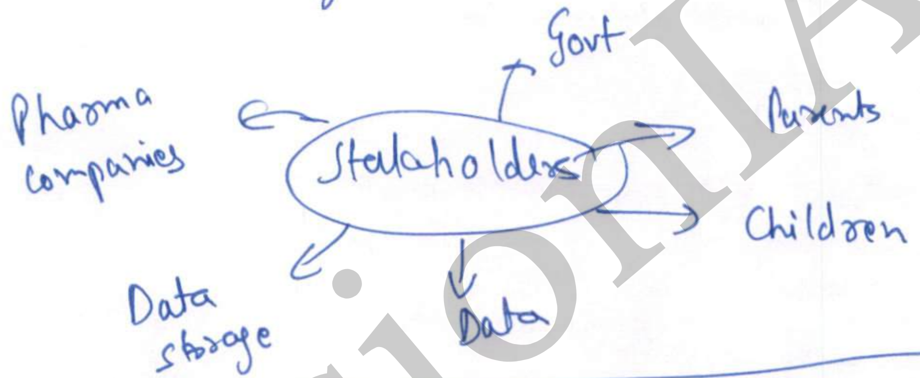

a) Ethical Issues percieved

1. lack of stringent data protection law
→ weak social contract b/w govt and citizens on data

2. long term v/s short-term gain
long term ↓ data breaching for surviellance & profits
short-term gain ↓ limited Consent of the parents

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3. Non-transparency on ownership of data → State, Parents, Individual.

4. lack of maturity of Infants → Against Kantian dictum of individuals as ends in themselves.

5. Commerce without morality (Gandhian Sin)
if companies breached personal data for profits - risking the dignity & informed choices of individuals.

6. Commodification of Humanity :- Data (Dehumanized data)

(b) Conflicting Interests of Diff. stakeholders

1. Govt's data gathering to prevent life threatening diseases — Social justice
v/s
Pharma companies intent in tailored medicine for profit maximization

www.visionias.in

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

2. Parents limited awareness of novel genetic data v/s future of the children → privacy, dignity

3. Deemed medical consent (DPDP Act 2023) → can't withdraw consent. v/s unambigous, clear & informed data consent of from citizens.

c) Ethical guidelines for this project

1. Accountability Mapping

Parents → can withdraw consent

Govt. → zero tolerance to data breaches

Pharma companies → informed use of data (not for profit).

VisionIAS

2. Transparency in the project → Participative scrutiny of parents & children for lifelong.

3. Clear mechanisms for withdrawl of the consent → Autonomy of the Individual.

4. J.S. Mill's Harms Principle :- gathering data limited to social good & preventing any social harm

5. Third Party Auditing & Monitoring for independent accountability.

In this way, Transparency & Accountability act as disinfectant for any scope of corruption or malpractices.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

11. आप एक समर्पित जिला स्वास्थ्य अधिकारी (DHO) हैं और आप साक्ष्य-आधारित जन स्वास्थ्य पद्धतियों के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता रखते हैं। हाल ही में, आपको भारत के एक दूरस्थ जिले में नियुक्त किया गया है। आपका तात्कालिक और सर्वाधिक महत्वपूर्ण कार्य एक प्रमुख जिला-व्यापी खसरा-रूबेला (MR) टीकाकरण अभियान का नेतृत्व करना है, जिसका उद्देश्य 9 महीने से 15 वर्ष की आयु के बच्चों में 100% टीकाकरण कवरेज प्राप्त करना है। इस अभियान की सफलता हजारों बच्चों के सामूहिक स्वास्थ्य और जिले के समग्र स्वास्थ्य संकेतकों के लिए महत्वपूर्ण है, विशेष रूप से तब जब आने वाला मानसून का मौसम स्वास्थ्य संबंधी अतिरिक्त चुनौतियां उत्पन्न कर सकता है।

हालांकि, आपके जिले के सबसे बड़े और सबसे पारंपरिक गाँवों में से एक में, आपको अत्यधिक प्रतिरोध का सामना करना पड़ता है। एक प्रतिष्ठित स्थानीय आध्यात्मिक गुरु के उपदेशों से अत्यधिक प्रभावित ग्रामीणों का दृढ़ विश्वास है कि टीकाकरण दुष्ट आत्माओं का आक्रमण है एवं बाहरी ताकतों द्वारा उनकी आबादी को नियंत्रित करने का एक प्रयास है और यह उनके बच्चों में बांझपन का कारण बनेगा। वे ज़ोर देकर कहते हैं कि उनके पारंपरिक औषधीय उपचार और अनुष्ठानिक आशीर्वाद ही पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करते हैं। यह आध्यात्मिक गुरु, जो वास्तव में नेकनीयत किंतु अडिग व्यक्ति है, वास्तविक रूप से मानते हैं कि ये टीके हानिकारक होते हैं। उन्होंने सार्वजनिक रूप से अपने अनुयायियों को इसका विरोध करने की सलाह दी है। इसके लिए वह टीकाकरण की कुछ कथित 'विफलताओं' और प्राचीन भविष्यवाणियों का उदाहरण देता है। पारंपरिक जीवन-शैली का पालन करने वाले समुदाय के लिए उसके निर्देश या सलाह सर्वोपरि हैं। इसके कारण व्यापक जागरूकता अभियानों के बावजूद, गाँव में टीकाकरण शिविरों का लगभग पूर्ण बहिष्कार किया गया है। आपके स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को, जिनमें से कुछ स्थानीय हैं और जिन्हें सामाजिक बहिष्कार या यहाँ तक कि शारीरिक हमले का भय है, तीव्र विरोध का सामना करना पड़ रहा है। राज्य स्वास्थ्य विभाग टीकाकरण लक्ष्यों को हासिल करने के लिए अत्यधिक दबाव बना रहा है और चेतावनी दे रहा है कि यदि कोई ज़िला इन लक्ष्यों को पूरा नहीं करता है तो उसके गंभीर परिणाम होंगे। साथ ही, विभाग ने यह भी निर्देश दिया है कि बल प्रयोग किसी भी परिस्थिति में न किया जाए क्योंकि इससे जन असंतोष उत्पन्न हो सकता है। साथ ही, विभाग ने 'सहमति-आधारित' लोक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने पर भी बल दिया है। इसी बीच, एक बड़ा वार्षिक मेला आयोजित होने वाला है जिसमें कई गांवों और क्षेत्रों से लोग शामिल होंगे। यदि यह गांव बिना टीकाकरण के रह गया, तो इससे खसरा-रूबेला (MR) के प्रकोप के प्रसार का तात्कालिक और गंभीर खतरा है, जो पूरे जिले और संभवतः उससे आगे तक फैल सकता है।

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) इस विरोध को शांत करने के लिए आपके पास तत्काल क्या विकल्प उपलब्ध हैं?

(c) अंधविश्वास के व्यापक प्रभाव को दूर करने और संधारणीय लोक स्वास्थ्य परिणामों हेतु वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के लिए आप कौन-सी दीर्घकालिक रणनीतियां और प्रणालीगत सुधारों का सुझाव देंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are a dedicated District Health Officer (DHO) with a strong commitment to evidence-based public health practices, recently assigned to a remote district in India. Your immediate and most critical task is to lead a crucial district-wide Measles-Rubella (MR) vaccination drive, aimed at achieving 100% immunization coverage among children aged 9 months to 15 years. The success of this drive is vital for the collective health of thousands of children and for the district's overall health indicators, especially with the impending monsoon season posing additional health challenges.

However, in one of the largest and most traditional villages in your district, you encounter formidable resistance. The villagers, deeply influenced by the pronouncements of a revered local

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

VisionIAS

spiritual leader, firmly believe that vaccinations are an intrusion by malevolent spirits, an attempt by external forces to control their population, or will cause infertility in their children. They insist that their traditional herbal remedies and ritualistic blessings are sufficient protection. This spiritual leader, a genuinely well-meaning but unyielding figure, sincerely believes these vaccinations are harmful and has publicly advised his followers against them, citing anecdotal 'failures' and ancient prophecies. His word is paramount for the community's adherence to traditional ways of life. This has led to an almost complete boycott of the vaccination camps in the village, despite extensive awareness campaigns. Your health workers, some of whom are local and fear social ostracization or even physical harm, are facing intense hostility. The state health department is exerting immense pressure to achieve targets, warning of severe consequences for any district failing to meet the immunization goals. Simultaneously, they strictly caution against any use of force that could lead to public unrest, emphasizing the need for 'consensus-based' public health. An impending large annual fair, which will draw crowds from multiple villages and regions, heightens the immediate and severe risk of a rapid MR outbreak if this village remains unvaccinated, posing a grave threat to the wider district and potentially beyond.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(a) Discuss the ethical issues involved in the above case.
(b) What are the immediate options available to you to overcome this resistance?
(c) What long-term strategies and systemic reforms would you suggest to address the pervasive influence of superstition and foster a scientific temperament for sustainable public health outcomes? (Answer in 250 words) 20

The above case demonstrates the vaccine hesitancy due to superstitions & dominance of spiritual leader.

a) Ethical Issues involved

1. Utilitarian ethics at danger → need of herd immunity at the cost of vaccine hesistancy of villagers.

2. Weak moral reasoning of villagers — manipulated easily by local spiritual leaders

3. Misinformation & Truth distortion! lies of infertility, traditional self-sufficieny

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

4. Demotivated local health workers due to social ostracization fears.

5. Public Health at risk at impending large annual fair.

6.) Immediate Options available to me

1. Approaching the revered local leaders like Sarpanch and ~~awareness~~ making him aware of the need of vaccination

2. Changing Attitude

Cognitive :- data through school students

Behavioural :- Nukkad Nataks

Affective :- Showing real consequence of non- vaccination

eg. IPS Anuradha Gupta used these methods to overcome Polio hesitancy
(Ex) Case Study.

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3. [Empathetic understanding] of local grievances using frontline workers eg NGOs, ASHA Workers

4. Approaching [local spiritual leader] -> to lead with truthfulness & honesty [Ethical Persuasion for social change]

(c)

c) [Long term strategies]

1. Building a scientific temper [Fundamental Duty Article 51(A)]

2. School-student led village literacy campaigns (e.g. Mizoram's achievement).

3. Decentralised Public Health Policies for building trust of the people

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4. Preventive Health Care Centres (WHO for wellness)

5. ~~Hum~~ Empathetic health drives → citizen empowerment.

6. Behavioural revolution
e.g. ~~SW~~ SBA success story.

Albert Einstein said that I believe in power of people who are given truth.

VisionIAS

12. आप एक अत्यंत प्रेरित और सिद्धांतवादी प्रधान ग्राम पंचायत सचिव हैं। हाल ही में, आपको एक दूरस्थ जिले में स्थित एक बड़े और सामाजिक-आर्थिक रूप से विविधतापूर्ण गाँव में पदस्थ किया गया है। आपका तात्कालिक और सर्वाधिक महत्वपूर्ण कार्य 'ग्रामीण आवास योजना' के लाभार्थियों का सावधानीपूर्वक सत्यापन करना है — यह राज्य की एक प्रमुख आवासीय योजना है, जिसका उद्देश्य वास्तव में गरीब और भूमिहीन परिवारों को 'पक्का' (ईंटों से बना) घर उपलब्ध कराना है। इस योजना की समय-सीमा बहुत कम है और निधियों की प्राप्ति सटीक व त्वरित लाभार्थी चयन पर निर्भर करती है। जिला कलेक्टर की ओर से निष्पक्षता और पारदर्शिता पर बल देते हुए किसी भी कदाचार के विरुद्ध स्पष्ट रूप से चेतावनी दी गयी है।

वार्ड क्रमांक 3 में घर-घर जाकर मेहनत से किए गए आपके सत्यापन के दौरान, आपको पता चलता है कि श्री इंदर सिंह, एक व्यापक रूप से स्वीकृत 'बाहुबली' व्यक्ति है, जिसके परिवार के पास अपनी भूमि और व्यापक स्थानीय नेटवर्क की वजह से महत्वपूर्ण अनौपचारिक शक्ति और प्रभाव है, को अस्थायी रूप से एक पात्र लाभार्थी के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। अवस्थिति पर आपके द्वारा किए गए आकलन से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि श्री सिंह एक विशाल, बहुमंजिला 'पक्के' घर में रहता है और उसकी वित्तीय स्थिति 'गरीबी रेखा से नीचे' जीवन-यापन करने वाले परिवारों हेतु योजना के सख्त पात्रता मानदंडों से काफी ऊपर है। जब आप उसकी पात्रता पर प्रश्न उठाते हैं, तो श्री सिंह अत्यधिक आक्रामक हो जाता है। वह अपने परिवार के गांव में 'अद्वितीय योगदान' और चल रहे उच्च प्राथमिकता वाले जिला स्तरीय 'जल सुरक्षा अभियान' के लिए समर्थन जुटाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का हवाला देता है। वह स्पष्ट रूप से कहता है कि उसका नाम हटाने की किसी भी कोशिश को न केवल एक गंभीर व्यक्तिगत अपमान माना जाएगा, बल्कि इससे उनके परिवार द्वारा जल अभियान से महत्वपूर्ण समर्थन भी वापस लिया जा सकता है, जिससे पूरे जिले के प्रयास खतरे में पड़ सकते हैं और इससे हज़ारों किसान प्रभावित होंगे। उसने आगे चेतावनी दी कि वह भविष्य में होने वाले विकास कार्यों के विरुद्ध व्यापक स्थानीय प्रतिरोध को उग्र कर सकता है, जिससे पंचायत का कामकाज पूरी तरह ठप्प हो जाएगा।

आप अच्छी तरह जानते हैं कि कई वास्तविक रूप से ऐसे गरीब परिवारों है जो जीर्ण-शीर्ण झोपड़ियों में रहते हैं और दशकों से ऐसी सहायता का इंतज़ार कर रहे हैं। श्री सिंह को शामिल करने से उनमें से किसी एक परिवार को अन्यायपूर्ण तरीके से बाहर करना होगा। आपके खंड विकास अधिकारी (BDO), राज्य के लक्ष्यों को पूरा करने के भारी दबाव में, आपको व्यक्तिगत तौर पर 'विनम्र' होने और सभी सरकारी योजनाओं के सुचारू क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए 'समग्र शांति और सहयोग' को प्राथमिकता देने की सलाह देते हैं। उन्होंने यह संकेत दिया है कि श्री सिंह जैसे प्रभावशाली व्यक्तियों को चुनौती देने से आपके पूरे कार्यकाल में 'अनावश्यक बाधाएं' उत्पन्न हो सकती हैं और आपकी भावी नियुक्तियां भी प्रभावित हो सकती हैं। ग्राम समुदाय, श्री सिंह के अनुचित दावे को जानकर भी, उनके विरुद्ध खुलकर बोलने से डरते हैं, जिससे उनकी अयोग्यता की बाह्य पुष्टि कठिन हो जाएगी और आप इस विषय पर अकेले पड़ जाएंगे।

(a) आपके समक्ष विद्यमान संभावित प्रशासनिक और नैतिक दुविधाएं क्या हैं?

(b) आपके लिए उपलब्ध सभी विकल्पों पर चर्चा कीजिए।

(c) आप अपने निर्णय का नैतिक औचित्य सिद्ध करते हुए कौन-सी व्यापक कार्यवाही करेंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are a highly motivated and principle-driven Gram Panchayat Secretary, recently posted in a large and socio-economically diverse village in a remote district. Your immediate and most critical task is the meticulous verification of beneficiaries for the 'Gramin Awas Yojana' – a flagship state housing scheme aimed at providing 'pucca' (brick) houses to the genuinely impoverished and landless households. The scheme is under tight deadlines, with funds

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

dependent on swift and accurate beneficiary selection. The District Collector has explicitly warned against any malpractices, emphasizing fairness and transparency.

During your diligent house-to-house verification in Ward No. 3, you discover that Mr. Inder Singh, a widely acknowledged 'strongman' whose family wields significant informal power and influence due to their landholdings and extensive local network, has been provisionally listed as an eligible beneficiary. Your on-ground assessment unequivocally reveals that Mr. Singh resides in a sprawling, multi-story 'pucca' house and his financial status is demonstrably far above the scheme's strict eligibility criteria for 'Below Poverty Line' families. When you subtly question his eligibility, Mr. Singh becomes overtly aggressive, citing his family's 'unparalleled contribution' to the village and his crucial role in mobilizing support for the ongoing, high-priority district-level 'Jal Suraksha Abhiyan' (Water Conservation Campaign), where his active cooperation is currently indispensable. He bluntly states that any attempt to remove his name would not only be seen as a grave personal insult but could also result in his family's withdrawal of crucial support from the water campaign, potentially jeopardizing the entire district's efforts, which affects thousands of farmers. He further warns that he can incite widespread local resistance against future developmental works, effectively paralyzing the Panchayat's functioning.

You are keenly aware that several genuinely impoverished families, living in dilapidated shacks, have been waiting for decades for such assistance, and Mr. Singh's inclusion would directly mean one of them is unjustly excluded. Your Block Development Officer (BDO), under immense pressure to meet state targets, has privately advised you to be 'flexible' and prioritize 'overall peace and cooperation' to ensure the smooth rollout of all government schemes, hinting that challenging influential individuals like Mr. Singh might create 'unnecessary roadblocks' for your entire tenure and even impact your future postings. The village community, while silently aware of Mr. Singh's undue claim, fears openly speaking against him, making external validation of his ineligibility difficult and adding to your isolation.

(a) What are the potential administrative and ethical dilemmas you face?
(b) Discuss all options available to you.
(c) What comprehensive course of action would you choose to adopt, providing ethical justification for your decision? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

a) Potential Administrative & Ethical Dilemmas

1. Right of the most disadvantages v/s Inder Sigh on Pucca House under Yojana

2. Adherence to Rule of Law v/s Procedural tweaks for smoothness of development

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3. Adherence to hegemony of Inder v/s empowering villagers to take strict action against undue use of power

4. Principle driven career v/s tweaks for personal benefits

5. Dismantling all development schemes v/s providing benefits to Mr. Inder

---

(b) **Options available to me**

1. Inclusion of Mr. Inder Singh in the list

Merits	Demerits
• Prudence for all schemes	• Jeopardizing Rule of law
• Mr. Singh goodwill & trust → career smoothness.	• Unfair to the least disadvantaged.

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(2) Removing Mr. Inder's Name

Merits

- Rule of law
- Principle of Impartiality

Demerits

- Mr Inder may block other dev. projects.

(3) Persuading Mr. Inder for voluntary giving up beneficiary

Merits

- Villagers goodwill & trust
- Continuity of schemes

Demerits

- may delay
- depend upon Mr. Inder's will

As a social leader, he may pay heed to social justice.

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

My comprehensive course of Action

1. Ethical Persuasion of Mr. Inder to voluntary give up his name for increasing his social prestige and morality.

2. If Inder didn't agree, I must remove his name on grounds of ethics & Rule of law.

3. for further obstruction, I must empower villages to break their silence against evil.

4. To empower villagers → development is their right; not a ~~ses~~ charity by some hegemon

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Ethical Justification

Gandhian Talisman → To think of least advantaged when making decision → It will be ethical & righteous.

I must empower villagers to speak up against evil because Plato said Indifference to Public Affairs is to be ruled by evil

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

VisionIAS